कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (45) खण्ड - {89}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें..........

प्रश्न 1-शिवबाबा अशरीरी है, वह शरीर में किसलिए आते हैं ?

A- मैं इस शरीर में तुम्हें सिर्फ मुरली सुनाने आता हूँ।

B- मैं इस शरीर में तुम्हें राजयोग सिखलाने आता हॅूं।

C- मैं इस शरीर में तुम्हें स्वर्ग का वर्सा देने आता हूँ।

D- मैं इस शरीर में तुम्हें मुक्ति जीवन-मुक्ति देने आता हॅूं।

प्रश्न 2- अन्तकाल है इसलिए ऐसा अभ्यास करना है जो-

A- एक बाप के सिवाए और कोई याद न आये।

B- मैं बाबा का, बाबा मेरा।

C- मेरा तो एक शिवबाबा, दूसरा न कोई।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- ब्राह्मणों की नई दुनिया है ?

A- संगम की।

B- सतयुग की।

C- शिवालय की

D- सुखधाम की

प्रश्न 4- सच्ची कमाई का आधार क्या है ?

A- धारणा

B- ज्ञान

C- पढ़ाई

D- योग

प्रश्न 5-मीठे बच्चे किस कार्य में देर नहीं करनी है, अपने भाई बहिनों को ठोकर खाने से बचाना है, भू-भूं कर आप समान बनाना है ?

A- स्थापना के कार्य

B- शुभ कार्य

C- पुरुषार्थ का कार्य

D- बाप का परिचय देने

प्रश्न 6- आदि देव को महावीर भी नाम दिया है। हनुमान को भी महावीर कहते हैं। वास्तव में महावीर कौन हैं ?

A- शक्तियां

B- ब्राह्मण

C- पांडव

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- देलवाड़ा मन्दिर में शक्क्तियों की शेर पर सवारी है और पाण्डवों की सवारी किस पर दिखाई है ?

A- बैल

B- हाथियों

C- घोड़े

D- रथ

प्रश्न 8- सारे कल्प में चक्र लगाओ तो .... का भी इतना बड़ा भाग्य नहीं है, जितना आप संगमयुगी श्रेष्ठ आत्माओं का है।

A- धर्म आत्मा

B- महान आत्मा

C- राज्य अधिकारी आत्मा

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9-अब इस शरीर को भूल ...., कर्मातीत बन घर चलना है इसलिए सुकर्म करो, कोई भी विकर्म न हो ?

A- अशरीरी

B- अनासक्त

C- विदेही

D- देहीभिमानी

प्रश्न 10- अपनी अवस्था की जाँच करने के लिए किसकी महिमा को सदा याद रखो ?

A- निराकार की

B- देवताओं की

C- स्वयं की

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- आत्मा जो पतित है, उनको पावन बन ऊपर जाना है। इसको कहा जाता है ?

A- टावर ऑफ साइंस

B- टावर ऑफ साइलेन्स

C- टावर ऑफ सोल्स

D-टावर ऑफ पीस

प्रश्न 12- .... करते रहो फिर उनको भोजन आदि की भी दरकार नहीं रहेगी। कहा जाता है खुशी जैसी खुराक नहीं।

A- सर्विस

B- याद

C- पढ़ाई

D- धारणा

प्रश्न 13- इस पुरुषोत्तम संगमयुग में पुरुषोत्तम बनने का पूरा-पूरा पुरुषार्थ करो, जितना हो सके .... पर अटेन्शन दो ?

A- याद और पढ़ाई

B- ज्ञान और योग

C- पढ़ाई और सेवा

D- योग और धारणा

प्रश्न 14- हर कर्म में - कर्म और योग का अनुभव होना ही क्या है ?

A- बाप समान बनना है।

B- कर्मयोग है।

C- कर्म से न्यारा होना है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 15- इनमें से कौन सा सही नहीं है ?

A- तुम्हारा स्वभाव बहुत फर्स्ट-क्लास चाहिए। तुम्हारी चलन ऐसी होनी चाहिए जो सब कहे यह तो जैसे देवता है।

B- समय पर सब काम करने में कल्याण है।

C- यज्ञ सर्विस का इज़ाफा ब्रह्म बाबा देते हैं।

D- बाबा बच्चों की दैवी चलन देखते हैं तो कुर्बान जाते हैं।

प्रश्न 16- कौन सी आत्मायें कभी वायुमण्डल वा संग के रंग में नहीं आ सकती।

A- अनुभवी

B- योगी

C- पारस

D- ज्ञानी

भाग (45) खण्ड {89} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.मैं इस शरीर में तुम्हें सिर्फ़ मुरली सुनाने आता हूँ*

बाबा कहते - बच्चे, मैं इस शरीर में तुम्हें सिर्फ मुरली सुनाने आता हूँ। मैं मुरली सुनाने का ही काम करता हूँ। मैं

खाने पीने के लिए नहीं आता हूँ। मैं आया हूँ तुम्हें नई राजधानी देने। बाकी स्वाद तो इनकी आत्मा लेती है।

उत्तर 2- *A.एक बाप के सिवाए और कोई याद न आये*

*अन्तकाल है इसलिए ऐसा अभ्यास करना है जो एक बाप के सिवाए और कोई याद न आये।*शिवबाबा को भूल औरों को याद करेंगे तो अन्त में फेल हो जायेंगे।

उत्तर 3- *A संगम युग*

परमात्मा को याद करें तो फिर यह बातें भी समझें कि हम ब्राह्मणों को उसने रचा है। *तुमको तो सम्मुख बतलाते हैं कि मैं रचता हूँ। यह ब्राह्मणों की नई दुनिया है संगम की।* चोटी को तो कोई नहीं जानते। विराट रूप बनाते हैं। उसमें देवता, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र दिखाते हैं। ब्राह्मणों को भूल गये हैं। सतयुग में देवतायें, कलियुग में शूद्र। संगमयुगी ब्राह्मणों को जानते नहीं

उत्तर 4- *C.पढ़ाई*

सच्ची कमाई का आधार पढ़ाई है। अगर पढ़ाई ठीक नहीं तो सच्ची कमाई कर नहीं सकते। उन्नति में विघ्न तब ही पड़ता जब संग ठीक नहीं। कहा भी जाता है संग तारे कुसंग बोरे। संग खराब होगा तो पढ़ेंगे नहीं, नापास हो जायेंगे।

उत्तर 5- *B.शुभ कार्य*

मीठे बच्चे - *शुभ कार्य में देरी नहीं करनी है* , अपने भाई बहिनों को ठोकर खाने से बचाना है, भूं-भूं कर आप समान बनाना है। हम सागर के बच्चे अपने भाई-बहनों को बचायें। बिचारे ठोकर खाते रहते हैं। कहेंगे बी.के. इतनी रड़ियां मारती हैं, कुछ तो बात होगी।

उत्तर 6- *A.शक्तियां*

एक ही घर में बाप का गुरू अलग तो बच्चे का गुरू अलग। वास्तव में गुरू किया जाता है वानप्रस्थ में। बाप कहते हैं मैं भी आया हूँ इनकी वानप्रस्थ अवस्था में। दुनिया में तो

जितना जो बड़ा गुरू होता है उनको उतना नशा रहता है। आदि देव को महावीर भी नाम दिया है। हनूमान को भी महावीर कहते हैं। महावीर तो तुम शक्तियां हो।

उत्तर 7- *B.हाथियों*

देलवाड़ा मन्दिर में शक्तियों की शेर पर सवारी है और पाण्डवों की हाथियों पर। मन्दिर बड़ा युक्ति से बना हुआ है। हूबहू तुम्हारा यादगार है। तुम तो उस समय होंगे नहीं जो तुम्हारा चित्र दें। मन्दिर तो द्वापर में बने हैं तो तुम्हारे चित्र कहाँ से आयेंगे।

उत्तर 8- *D.उपरोक्त सभी*

हर एक बच्चे के भाग्य की रेखायें देख-देख भाग्य विधाता बाप भी हर्षित होते हैं क्योंकि *सारे कल्प में चक्र लगाओ तो आप जैसा श्रेष्ठ भाग्य किसी धर्म आत्मा, महान आत्मा, राज्य अधिकारी आत्मा, किसी का भी इतना बड़ा भाग्य नहीं है, जितना आप संगमयुगी श्रेष्ठ आत्माओं का है।*

उत्तर 9- *B.अनासक्त*

अगर ऊंच पद पाने चाहते हो तो और कोई की स्मृति न आये। हमारे पास है ही क्या। हाथ खाली आये हैं ना, कुछ भी नहीं। अपना यह शरीर भी नहीं है। अब इस शरीर को भूलना है। *तुम्हें अब इस शरीर को भूल अनासक्त, कर्मातीत बन घर चलना है* इसलिए सुकर्म करो, कोई भी विकर्म न हो।

उत्तर 10- *D.उपरोक्त सभी*

अपनी अवस्था की जाँच करने के लिए तीन की महिमा को सदा याद रखो, *1. निराकार की महिमा 2. देवताओं की महिमा 3. स्वयं की महिमा।* अब जाँच करो कि निराकार बाप के समान पूज्य बने हैं, उनके सब गुणों को धारण किया है! देवताओं जैसी रायल चलन है! देवताओं का जो खान पान है, उनके जो गुण हैं वह हमारे हैं? आत्मा के जो गुण हैं उन सब गुणों को जान उनका स्वरूप बने हैं?

उत्तर 11- *B.टॉवर ऑफ साइलेन्स*

वो लोग पहाड़ी पर चढ़ने की प्रैक्टिस करते हैं, रेस करते हैं। पहाड़ी पर चढ़ने में भी कोई होशियार होते हैं। सब नहीं चढ़ सकते। तुम बच्चों को इसमें रेस आदि करने की दरकार नहीं। *आत्मा जो पतित है, उनको पावन बन ऊपर जाना है। इसको कहा जाता है टावर ऑफ साइलेन्स।*

उत्तर 12- *A.सर्विस*

सर्विस करते रहो फिर उनको भोजन आदि की भी दरकार नहीं रहेगी। कहा जाता है खुशी जैसी खुराक नहीं। धन नहीं होगा तो उनको घड़ी-घड़ी भूख लगती रहेगी। धनवान राजाओं का जैसे पेट भरा रहता है। बड़ी रॉयल चलन होती है। बातचीत भी फर्स्टक्लास। तुम समझते हो हम क्या बन रहे हैं!

उत्तर 13- *A.याद और पढ़ाई*

मीठे बच्चे - इस पुरुषोत्तम संगमयुग में पुरुषोत्तम बनने का पूरा-पूरा पुरुषार्थ करो, *जितना हो सके याद और पढ़ाई पर अटेन्शन दो,* बहुत हैं जो बाबा को याद नहीं करते। अपने ही धन्धों में रहते हैं। उनको फुर्सत ही नहीं। परन्तु इसमें तो काम आदि करते भी बुद्धि से याद करना है। कहा जाता अपनी घोट तो नशा चढ़े। एक दिन भी पढ़ाई मिस मत करो।

उत्तर 14- *B.कर्मयोग है*

विघ्न आता है, तो विशेष योग लगाते हो और भट्टी रखते हो, इससे सिद्ध होता है कि दुश्मन ही शस्त्र की स्मृति दिलाते हैं लेकिन स्वत: और सदा स्मृति नहीं रहती। निरन्तर योगी हो या अन्तर वाले योगी हो? टाइटिल तो निरन्तर योगी का है ना, *हर कर्म में - कर्म और योग का अनुभव होना ही कर्मयोग है।*

उत्तर 15- *C.यज्ञ सर्विस का इज़ाफा ब्रह्मा बाबा देते हैं*

बाबा स्वर्ग का मालिक बनाने आते हैं तो तुम्हें कितना मददगार बनना चाहिए। सर्विस में आपे ही लग जाना चाहिए।

ऐसे नहीं मैं थक गया हूँ, फुर्सत नहीं है। समय पर सब काम करने में कल्याण है। *यज्ञ सर्विस का इज़ाफा शिवबाबा देते हैं।* बाबा बच्चों की दैवी चलन देखते हैं तो कुर्बान जाते हैं।

उत्तर 16- *A.अनुभवी*

सदा खुशी में झूलने वाले सर्व के विघ्न हर्ता वा सर्व की मुश्किल को सहज करने वाले तब बनेंगे जब संकल्पों में दृढ़ता होगी और स्थिति में डबल लाइट होगे। अव्यक्ति साइलेन्स द्वारा डबल लाइट फरिश्ता स्थिति का अनुभव करो। *अनुभवी आत्मायें कभी वायुमण्डल वा संग के रंग में नहीं आ सकती।*

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (45) खण्ड - {90}

प्रश्न 1- बाप का वन्डरफुल पार्ट कौन सा है ?

A- तमोप्रधान से सतोप्रधान बनाने का।

B- पढ़ाने का।

C- पुरानी दुनिया को नया बनाने का।

D- नर्क से स्वर्ग बनाने का

प्रश्न 2- 100 प्रतिशत निष्कामी बाप किस कामना से सृष्टि पर आया है ?

A- मैं अपने बच्चों को जाकर रास्ता बताऊं।

B- सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का समाचार सुनाऊं।

C- बच्चे गुणवान बने...बाप की यही कामना है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- लौकिक कार्य करते अलौकिकता का अनुभव करना ही ...... ?

A- फुल मार्क्स लेना है।

B- सरेन्डर होना है।

C- डबल लाइट बनना है।

D- फरिश्ता बनना है।

प्रश्न 4- सवरे-सवेरे उठ प्यार से बाप को याद करना है। अपने आपसे बातें करनी है, विचार सागर मंथन करते क्या करना है ?

A- बाबा का शुक्रिया मानना है।

B- खुशी में रहना है।

C- श्रेष्ठ स्थिति में स्थित होना है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5-श्रीमत पर चलने वाले योगी बच्चे ही होंगे ?

A- डबल लाइट फरिश्ता होंगे।

B- बेदाग डायमण्ड़ होंगे।

C- मौज में होंगे।

D- खुशनसीब होंगे।

प्रश्न 6- आधाकल्प है सुख का, आधाकल्प है दुःख का। उनमें भी सुख जास्ती है। अगर आधा-आधा होता तो ....?

A- ड्रामा कल्याणकारी नहीं।

B- दुःख मे सिमरन कौन करे।

C- टेस्ट क्या आयेगी।

D- नशा नहीं होगा।

प्रश्न 7- इनमे से कौन सा सही नहीं है ?

A- बाम्बे पहले इतनी नहीं थी। समुद्र को सुखाया फिर समुद्र हो जायेगा।

B- सतयुग में मीठे पानी पर महल होंगे। खारे पानी पर होते नहीं। तो यह रहेंगे नहीं।

C- बहुत नैचुरल कैलेमिटीज होगी। यह सब खत्म हो जायेंगे। इनको कहा जाता है गॉडली कैलेमिटीज़।

D- जो योगयुक्त होंगे, श्रीमत पर चलने वाले होंगे वह सब कुछ देखेंगे।

प्रश्न 8- बाप की दुआयें लेनी हैं तो बच्चे क्या बनो ?

A- स्नेही

B- सपूत

C- आज्ञाकारी

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- हमारा एम ऑब्जेक्ट क्या है ?

A- लक्ष्मी-नारायण बनना

B- सतोप्रधान बनना

C- दैवीगुण धारण करना

D- पवित्र बनना

प्रश्न 10- चलते-फिरते काम- काज करते बुद्धि में क्या रहना चाहिए ?

A- यह ज्ञान ही हमको साथ ले जाना है।

B- हम बाप के पास पढ़ने के लिए आये।

C- पढ़ाई तो सहज है।

D- श्रीमत पर चलना है।

प्रश्न 11- बाप किसलिए आये है ?

A- बाप हमारे कल्याण के लिए आये हैं।

B- अपनी श्रीमत देने।

C- अपनी पहचान देने।

D- आत्मा की पहचान देने।

प्रश्न 12- बाहर में जाकर सर्विस करना .... नहीं है। बड़ी समझ चाहिए ?

A- आसान

B- सब के बस की बात

C- मासी का घर

D- कठिन का

प्रश्न 13-बाप का पहले किससे प्यार है ?

A- फूलों से

B- काँटों से

C- बच्चों से

D- आत्मा से

प्रश्न 14- बेहद का बाप बच्चों को गोद में लेते हैं-किसलिए ?

A- पतित से पावन बनाने के लिए।

B- काँटों से फूल बनाने के लिए।

C- स्वर्ग का मालिक बनाने के लिए।

D- तमोप्रधान से सतोप्रधान बनाने के लिए।

प्रश्न 15- इनमें कौन सा सही नहीं है ?

A- बाप तुमको अपनी तरफ खींचते हैं. माया अपनी तरफ खींचती है।

B- ब्रह्मा है नई जुत्ती।

C- आत्मा को पहले नई जुत्ती मिलती है। फिर पुरानी होती है।

D- इस समय सब जुत्तियाँ तमोप्रथान हैं।

प्रश्न 16- सबसे अच्छा फूल कौन सा है ?

A- किंग फ्लावर

B- गुलाब

C- कमल

D- अक

भाग (45) खण्ड {90} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.पढ़ाने का*

बाबा का वन्डरफुल पार्ट है पढ़ाने का। वह सर्विस के लिएद ही आते हैं। पालना करते हैं। पुचकार देकर कहते हैं मीठे बच्चे यह करो। ज्ञान सुनाते हैं, लेते कुछ नहीं। सारे विश्व में एक ही बाप है जो कुछ लेता करता नहीं। तो बच्चों को ख्याल करना चाहिए कि हम किसके बच्चे हैं।

उत्तर 2- *D.उपरोक्त सभी*

एक ही निराकार ऊंच ते ऊंच भगवान ही गाया हुआ है। उनको ही सब याद करते हैं। वह तुम्हारा बाप भी अभोक्ता, टीचर भी अभोक्ता तो सतगुरू भी अभोक्ता। *100 प्रतिशत निष्कामी बाप को कामना हुई है मैं अपने बच्चों को जाकर रास्ता बताऊं। सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का समाचार सुनाऊं। बच्चे गुणवान बनें... बाप की यही कामना है।*

उत्तर 3- *B.सरेन्डर होना है*

बाप कहते हैं मेरे लाडले बच्चे कभी किसको दु:ख नहीं देना। ऐसे बहुत हैं जो उल्टी सुल्टी भूलें करते हैं, चुगली करना, रीस करना, हसद करना.. यह भी विकर्म है ना। *लौकिक कार्य करते अलौकिकता का अनुभव करना ही सरेन्डर होना है।*

उत्तर 4- *A.बाबा का शुक्रिया मानना है*

सवेरे-सवेरे उठ प्यार से बाप को याद करना है। अपने आपसे बातें करनी है, विचार सागर मंथन करते *बाबा का शुक्रिया मानना है।* बच्चों को समझाया है सहारा देने वाला एक ही बाप है। बाप को याद करने से बहुत खुशी होती है। यह बहुत समझने की बातें हैं।

उत्तर 5- *C.मौज़ में होंगे*

अभी अन्तिम विनाश का दृश्य सामने है। करोड़ों मनुष्य मरेंगे, नैचुरल कैलेमिटीज होंगी। उस समय स्थिति

एकरस रहे, सब दृश्य देखते भी मिरूआ मौत मलूका शिकार..ऐसा अनुभव हो, उसके लिए योगयुक्त बनना पड़े। *श्रीमत पर चलने वाले योगी बच्चे ही मौज में रहेंगे।*

उत्तर 6 - *C.टेस्ट क्या आयेगी*

तुम जब सुखधाम में जाते हो तो बाकी सब शान्तिधाम में रहते हैं। *आधाकल्प है सुख का, आधाकल्प है दु:ख का। उनमें भी सुख जास्ती है। अगर आधा-आधा होता तो टेस्ट क्या आयेगी*

उत्तर 7- *C.बहुत नैचुरल कैलेमिटीज होगी। यह सब खत्म हो जायेंगे। इनको कहा जाता है गॉडली कैलेमिटीज*

बाम्बे पहले इतनी नहीं थी। समुद्र को सुखाया फिर समुद्र हो जायेगा। सतयुग में मीठे पानी पर महल होंगे। खारे पानी पर होते नहीं। तो यह रहेंगे नहीं। *बहुत नैचुरल कैलेमिटीज होगी। यह सब खत्म हो जायेंगे। इनको कहा जाता है नैचुरल कैलेमिटीज़, गॉडली कैलेमिटीज़ नहीं कहेंगे*

योगयुक्त होंगे, श्रीमत पर चलने वाले होंगे वह सब कुछ देखेंगे। कैसे अर्थक्वेक में सब खलास होता है।

उत्तर 8- *D.उपरोक्त सभी*

स्लोगन:- *बाप की दुआयें लेनी हैं तो स्नेही, सपूत, आज्ञाकारी बच्चे बनो।*

उत्तर 9- *A.लक्ष्मी-नारायण बनना*

बाप बच्चों से पूछते हैं कि तुम यहाँ जब आते हो तो इन *लक्ष्मी-नारायण के चित्र को देखते हो कोई भी आये तो उनको समझाओ - यह एम ऑब्जेक्ट है।* इस पढ़ाई से यह देवी-देवता जाकर बनते हैं

उत्तर 10- *B.हम बाप के पास पढ़ने के लिए आये*

बातचीत करने के मैनर्स भी अच्छे चाहिए। चलन बहुत अच्छी चाहिए। *चलते-फिरते काम-काज करते बुद्धि में सिर्फ

यही रहे कि हम बाप के पास पढ़ने के लिए आये हैं।* यह ज्ञान ही तुमको साथ ले जाना है। पढ़ाई तो सहज है

उत्तर 11- *A.बाप हमारे कल्याण के लिए आये है*

यह भी स्कूल है ना। इसमें इज़ाफा आदि की बात नहीं। फिर भी पुरुषार्थ तो कराया जाता है ना। चलन को सुधारो, दैवीगुण धारण करो। कैरेक्टर अच्छे चाहिए। *बाप तो तुम्हारे कल्याण के लिए आये हैं।* परन्तु बाप की श्रीमत पर चल नहीं सकते।

उत्तर 12- *C.मासी का घर*

यह है तो बहुत सहज बात समझने की, परन्तु जो खुद ही नहीं समझते तो वह प्रदर्शनी में क्या समझायेंगे? सर्विस के बदले डिस सर्विस करके आयेंगे। *बाहर में जाकर सर्विस करना मासी का घर नहीं है।* बड़ी समझ चाहिए।

उत्तर 13 - *B.काँटों से*

पहले हम सब काँटें थे, कोई छोटे, कोई बड़े। कोई बहुत दु:ख देते हैं, कोई थोड़ा। अब बाप का प्यार तो सबसे है। गायन भी है काँटों से भी प्यार, फूलों से भी प्यार। *पहले किससे प्यार है? जरूर काँटों से प्यार है।*

उत्तर 14- *C.स्वर्ग का मालिक बनाने के लिए*

अभी तुम जानते हो-बाबा स्वर्ग का द्वार खोल रहे हैं। तो क्यों न हम बाबा से वर्सा लें। क्यों न विजय माला में पिरो जायें, महावीर बनें। *बेहद का बाप बच्चों को गोद में लेते हैं-किसलिए? स्वर्ग का मालिक बनाने के लिए।*

उत्तर 15- *B.ब्रह्मा है नई जुत्ती*

माया कितनी प्रबल है। तो क्या तुमको माया का बनना है? बाप तुमको अपनी तरफ खींचते हैं, *माया अपनी तरफ खींचती है। ब्रह्मा है पुरानी जुत्ती। आत्मा को पहले नई जुत्ती मिलती है फिर पुरानी होती है। इस समय सब जुत्तियाँ तमोप्रधान हैं।*

उत्तर 16- *A.किंग फ्लावर*

यह देवतायें हैं फूल, वह है गॉर्डन आफ अल्लाह। बाप तुमको फूल बना रहा है। बाकी फूलों में वैरायटी है। *सबसे अच्छा फूल है किंग फ्लावर।* इन लक्ष्मी-नारायण को नई दुनिया का किंग क्वीन फ्लावर कहेंगे।